Sl. No.	Name of the Project	Capacity (MW)	Date of receipt in CEA
1.	Tawa LBC (H) (Revised)	2x6-12	10/90
2.	Pench St. II (Units 3&4) (T)	2x250-500	4/90
3.	Gopad (T)	4x500-2000	11/90
4.	Sanjay Gandhi (Barsingapur) Extn. (T) . .	1x500-500	12/90
5.	Gwalior Gas Based Comb. Cycle Plant (T) . .	817	8/90
6.	Matner (H) (Revised)	2x40-80	1/91
7.	Bina (T)	4x250-1000	5/91

(c) All efforts are made by the Central Electricity Authority to accord techno-economic clearance to the proposals received from the State Governments as expeditiously as possible. After the techno- economic clearance from CEA, the project is processed in Planning Commission for investment approval.

गुजरात और बिहार में ऊर्जा इकाइयों के निर्माण कार्य की समीक्षा

1852. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात और बिहार के विद्युत उत्पादन करने वाली इकाइयों के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की है ताकि इस बात को सुनिश्चित किया जा सके कि निर्माण कार्य योजनाबद्ध ढंग से हो रहा है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसी इकाइयों की संख्या कितनी है जहां निर्माण कार्य योजनाबद्ध ढंग से नहीं किया जा रहा है ; और

(ग) उक्त कार्य को योजनाबद्ध तरीके के पूर्ण करवाने के लिए सरकार द्वारा अपने स्तर पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) केंद्रीय व राज्य क्षेत्र दोनों में विद्युत परियोजनाओं को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने की दृष्टि से परियोजनाओं का कार्यान्वयन का गहन प्रबोधन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है । परियोजनावार समस्याओं का पता लगाया जाता है, उपचारात्मक उपाय सुझाए जाते हैं तथा संबंधित परियोजना प्राधिकरणों को बाधाओं को दूर करने के लिए अपेक्षित उपाय करने की सलाह दी जाती है । संयुक्त समन्वय बैठकें भी आयोजित की जाती हैं जोकि निष्पादनाधीन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने के लिए परियोजना प्राधिकारियों तथा मुख्य सम्भरकों के मध्य एक लाभदायक संपर्क स्थापित करेगी । निर्माण संबंधी कार्य योजनाबद्ध रूप से निष्पादित किए जा रहे हैं । कभी-कभी परियोजना प्राधिकारियों के नियंत्रण से परे विभिन्न कारणों से अपरिहार्य विलम्ब भी हो जाते हैं । विद्युत परियोजनाओं के प्रचालन में विलम्ब के लिए मुख्य कारण है धन की कमी, भूमि के अधिग्रहण में देरी, आदि ।